Rohtas Mahila College, Sasaram, 25.07.22
Dr. Aman Mussimu, Dept of Psychology, B.A. Part I, Pr. I
2021-24

(Topic- अल्पकालीन स्मरण तथा दीर्घकालीन स्मरण में अन्तर):-
अल्पकालीन स्मरण तथा दीर्घकालीन स्मरण में निम्नलिखित अंतर हैं।

(i) सत्ताकाल:- अल्पकालीन स्मरण की अपेक्षा दीर्घकालीन स्मरण का सत्ताकाल अधिक लम्बा होता है। अल्पकालीन स्मृति अधिक से अधिक 40 मिनट तक ठहर पाती है। मुर्डोक (Murdock, 1959) के अध्ययन में देखा गया कि 18 सेकेण्ड में ही 80% विस्मरण हो गया। इसके विपरीत दीर्घकालीन स्मरण या स्मृति जीवन काल (Life Time) तक ठहर सकती है। दीर्घकालीन स्मरण की कुछ सूचनाएँ वर्षों तक ठहरती हैं और कुछ जीवन के अंतिम क्षण तक।

(ii) ~~कूटबद्ध~~ कूटबद्ध:- अल्पकालीन स्मरण की सूचनाएँ कूटबद्ध नहीं होती हैं। वे असंगठित एवं अव्यवस्थित होती हैं। इसी कारण वे शीघ्र ही समाप्त हो जाती हैं। दूसरी ओर दीर्घकालीन स्मरण की सूचनाएँ कूटबद्ध ~~एवं~~ एवं व्यवस्थित होती हैं। जिस प्रकार एक किरानी अपनी आलमारी में आवश्यक कागजात को सजा सजा कर रखता है, उसी प्रकार दीर्घकालीन स्मरण की सामग्री सुसज्जित एवं व्यवस्थित रहती है।

(iii) रिहर्सल (Rehearsal):- अल्पकालीन स्मरण में ~~रिहर्सल~~ रिहर्सल का अवसर नहीं मिलता है। इसी कारण सूचनाएँ कूटबद्ध नहीं हो पाती हैं और अल्पकालीन स्मरण से निकल जाती हैं। यदि किसी प्रयोज्य को मेमोरी ड्रम (Memory drum) द्वारा दो-दो सेकेण्ड तक दस निरर्थक पदों को एक एक कर दिखलाया जाए तो ~~प्रथम~~ प्रथम बार उसे किसी भी पद के रिहर्सल का अवसर नहीं मिलेगा। दूसरी ओर दीर्घकालीन स्मरण में रिहर्सल का पूरा अवसर मिलता है। इसलिए, सूचनाएँ कूटबद्ध होकर अपेक्षाकृत स्थाई बन जाती हैं।

(iv) चंचलता (fluctuation):- अल्पकालीन स्मरण में चंचलता पाई जाती है। एक सूचना अल्पकालीन स्मरण में आती है तो दूसरा निकल जाती है। जैसे निरर्थक पद एक एक

Scanned with CamScanner

रहके अल्पकालीन स्मरण में आते जाते हैं और दूसरी ओर से निकलते जाते हैं। परन्तु दीर्घकालीन स्मरण से वह चंचलता नहीं पाई जाती है।

(v) विघटन :- अल्पकालीन स्मरण में विघटन की संभावना जितनी ही अधिक है, दीर्घकालीन स्मरण में उतनी कम। अल्पकालीन स्मरण की सामग्री अव्यवस्थित तथा असंगठित होती है। इसलिए, इस पर बाधा का प्रभाव बहुत जल्दी पड़ता है। (Brown, 1958) ब्राउन के अनुसार सामग्री की मात्रा अधिक होने पर हल्की बाधा भी विघटन उत्पन्न कर सकती है। लेकिन, दीर्घकालीन स्मरण में विघटन का खतरा कम होता है। कारण, यहाँ सामग्री कूटबद्ध, संगठित एवं व्यवस्थित होती है।

(vi) प्राथमिक एवं अनुषंगी स्मरण :- अल्पकालीन स्मरण वास्तव में प्राथमिक स्मरण है जबकि ~~अनुषंगी स्मरण~~ दीर्घकालीन स्मरण अनुषंगी स्मरण है। अल्पकालीन स्मरण को अल्पकालीन भंडार तथा दीर्घकालीन ~~भंडार के~~ स्मरण को दीर्घकालीन भंडार भी कहते हैं। संवेदी सूचनाएँ पहले अल्पकालीन स्मरण या भंडार में आती हैं और उनमें से कुछ सूचनाएँ निकल जाती हैं और कुछ कूटबद्ध होकर दीर्घकालीन स्मरण या भंडार के घटक बन जाती हैं। सूचनाओं के कूटबन्धन का आधार रिहर्सल प्रक्रिया (Rehearsal process) है।